जैव ऊर्जा : 325 करोड़ के 7 निवेश प्रस्ताव मंजूर

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में जैव ऊर्जा के क्षेत्र में यूपीनेडा ने सात परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। लगभग 325 करोड़ रुपये की ये परियोजनाएं पांच जिलों में लगेंगी।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश राज्य जैव ऊर्जा नीति के अंतर्गत लगभग 46 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव बायो ऊर्जा क्षेत्र के प्राप्त हुए हैं। निवेशकों ने उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) के सामने प्रस्ताव पेश किए थे। इन प्रस्तावों की प्रारंभिक जांच के

निवेशकों ने कहा, प्लांट लगाने के लिए जमीन मिल गई है

बाद पहले चरण के लिए 60 प्रस्तावों को उपयुक्त पाया गया। इनमें से 16 प्रस्तावों पर स्वीकृति के लिए शुक्रवार को अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग के अपर मुख्य सचिव महेश कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय बैठक हुई। इन प्रस्तावों में नौ कंप्रेस्ड बायोगैस, चार बायोडीजल और तीन बायोकोल के थे।

चर्चा के बाद सात परियोजनाओं को स्वीकृति दे दी गई। 325 करोड़ रुपये के निवेश से प्रदेश के पांच जिलों में बायो ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना होगी। इसमें कंप्रेस्ड बायोगैस की चार परियोजनाओं से 51.2 टन प्रतिदिन, बायोकोल की एक परियोजना से 40 टन प्रतिदिन और बायोडीजल की दो परियोजनाओं से 204 किलोलीटर प्रतिदिन उत्पादन होगा।

बैठक में निवेशकों ने बताया कि प्लांट लगाने के लिए जमीन और बायोमास की उपलब्धता हो गई है। ऋण के लिए भी बैंकों ने सैद्धांतिक सहमति दे दी है। संयंत्रों से निकलने वाले उत्पाद खरीदने के लिए ग्राहक भी तैयार हो गए हैं।

भूमि पूजन समारोह : यूपीसीडा को 40 हजार करोड़ के प्रस्ताव का जिम्मा

लखनऊ। ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट में आए 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव को धरातल पर उतारने के लिए तेजी से काम हो रहा है। भूमि पूजन समारोह में यूपीसीडा 40 हजार करोड़ से ज्यादा के प्रस्ताव धरातल पर उतारेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप सितंबर-अक्तूबर में प्रस्तावित पहले भूमि पूजन समारोह के लिए आठ लाख करोड़ के पांच हजार से अधिक एमओयू को छांटे गए हैं। इसके तहत यूपीसीडा ने 40 हजार करोड़ से अधिक के निवेश के लिए जमीन प्राप्त कर ली है। जल्द उन्हें भूमि उपलब्ध करा दी जाएगी। यूपीसीडा को भूमि पूजन समारोह के लिए 1.6 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव का लक्ष्य दिया गया है।

अब तक 44 जिलों में 199 निवेशकों को

35 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव को धरातल पर उतारने के लिए तेजी से हो रहा काम

मिली जमीन : यूपीसीडा के सीईओ मयूर माहेश्वरी ने बताया कि 600 निवेशकों से कुल 3.18 लाख करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। इन निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए इन्हें पांच श्रेणियों में बांटा गया। इसमें एमएसएमई (50 करोड़ रुपये तक), बड़े (50-200 करोड़ रुपये), मेगा (200-500 करोड़ रुपये), सुपर मेगा (500-5,000 करोड़ रुपये) व अल्ट्रा मेगा (5,000 करोड़ रुपये से अधिक) के रूप में श्रेणीबद्ध किया गया। एमओयू की समीक्षा के लिए तीन चरणों में अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है।

निवेशकों की पहली पसंद बना चंदौली

पूरे प्रदेश में चार निवेशकों द्वारा सबसे अधिक चंदौली में 7,020 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। अमेठी में 4,761 करोड़ रुपये के निवेश वाली 30 इकाइयां हैं। पूर्वांचल में 20,189 करोड़ के निवेश वाली 65 इकाइयां उद्योग स्थापित करने को तैयार हैं। पश्चिमांचल में 12,051 करोड़ के निवेश के साथ 70 इकाइयां स्थापित की जाएंगी। मध्यांचल ने 5200 करोड़ के निवेश वाली 60 इकाइयों को आकर्षित किया है। बुंदेलखंड 2872 करोड़ के निवेश के साथ चार इकाइयां उद्योग स्थापित के लिए तैयार हैं।